केंद्र सरकार की विकसित भारत पहल दूरदर्शी एवं महत्त्वपूर्ण

कोलकाता, 19 सितम्बर (नि.प्र.)। कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स की 194वीं वार्षिक आम सभा में हमें यह गौरव प्राप्त हुआ कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के माननीय मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंथा नागेश्वरन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री हरी शंकर हलवासिया श्री अनंत सहारिया (सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स) श्री अनुराग झुनझुनवाला (वाइस प्रेसिडेंट) तथा श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल (वाइस प्रेसिडेंट) भी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक सफल एवं गरिमामय बना दिया।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. नागेश्वरन ने कहा कि यह संस्थान लगभग दो शताब्दियों तक टिके रहने में सफल रहा है, जो समाज की सेवा में इसकी निरंतर भूमिका को दर्शाता है। उन्होंने भारत की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विकसित भारत' पहल केंद्र सरकार की एक दूरदर्शी एवं महत्त्वपूर्ण पहल है। उन्होंने हाल के वर्षों में हुई कई अहम प्रगतियों का उल्लेख किया – जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज़ प्रगति श्रमबल के लिए एक बड़ी चुनौती बन रही है, वहीं पिछले एक दशक में हवाई अड्डा ढांचे का विस्तार बीते सत्तर वर्षों की तुलना में कहीं अधिक हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड-19 के बाद भारत की आर्थिक विकास दर तेज़ हुई है, तथा सरकार ने राजकोषीय घाटा कम करने, वित्तीय अनुशासन बनाए रखने और स्थिरता लाने में सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने व्यापार करने में सुगमता बढ़ाने में सरकार की उपलब्धियों की भी प्रशंसा करते हुए इसे एक उल्लेखनीय सफलता करार दिया। डॉ. नागेश्वरन ने निजी क्षेत्र को भी अहम सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि निजी उद्योगों को अनुसंधान एवं विकास में सक्रिय निवेश करना चाहिए, क्योंकि यह नवाचार और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए आवश्यक है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि निजी क्षेत्र को सरकार से संरक्षण या सहयोग की अपेक्षा तभी करनी चाहिए जब वे पर्याप्त रूप से उत्पादक गतिविधियों के माध्यम से योगदान दे रहे हों।